दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 33 | हरिद्वार | शनिवार, 6 सितम्बर, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

दिव्य और भव्य होगा हरिद्वार कुंभ का आयोजन : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि हरिद्वार में कुम्भ मेला 2027 के भव्य आयोजन की सभी तैयारियां समय रहते हुए स्थायी प्रकृति के कार्य अक्टूबर 2026 तक पूर्ण किये जाएं। कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर वर्गीकृत कर उन्हें पूर्ण किये जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्यों को आगे बढ़ायें। बुधवार को सचिवालय में हरिद्वार कुंभ 2027 की तैयारी के क्रम में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भव्य और दिव्य कुंभ का आयोजन कराना राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेला संबंधित सभी कार्य विस्तारित क्षेत्र और मास्टर प्लान को ध्यान में रख कर किए जाएं। मास्टर प्लान में सभी सेक्टर,

मार्ग, पार्किंग, घाट, कैम्प स्थलों को स्पष्ट तौर पर चिन्हित किया जाए, ताकि इसके अनुसार आवश्यक भूमि का अधिग्रहण करने के साथ ही संबंधित भूमि का अस्थायी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही भीड़ का दबाव कम करने के लिए नए घाटों का निर्माण, कांगड़ा घाट का विस्तार और मौजूदा घाटों की मरम्मत भी समय से पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेला सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सरकारी भूमि, सड़कों पर से अतिक्रमण सख्ती के साथ हटाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूआईआईडीबी द्वारा हरिद्वार गंगा कॉरिडोर में जो भी कार्य किए जा रहे हैं, उन्हें कुंभ को देखते हुए प्राथमिकता पर पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माणाधीन बहादराबाद - श्यामपुर बाईपास को जल्द पूरा किया जाए, ताकि इसका अधिकतम लाभ कुंभ के दौरान मिल सके। इसी तरह श्यामपुर, गैंडीखाता एवं चण्डीघाट क्षेत्र में विशेष टेंट लगाने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जाए। इसी तरह कुंभ क्षेत्र में यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु ट्रैफिक डायवर्जन योजना, पार्किंग स्थल की व्यवस्था की जाए। पार्किंग दूर होने पर शटल सेवा की व्यवस्था पर विचार किया जाए। कुंभ क्षेत्र में आंतरिक मार्गों को भी समय से ठीक किया जाए, इसका लाभ स्थानीय निवासियों को भी मिलेगा। मंसा देवी, चंड़ी देवी पैदल मार्ग के सुदृढीकरण का कार्य समय से पूरा कर लिया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ठोस कचरा अपशिष्ट के लिए जीरो वेस्ट कॉन्सेप्ट अपनाया जाए, कुंभ क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, डस्टबिन, रीसाइक्लिंग सिस्टम और मोबाइल टॉयलेट की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। महिला श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पिंक टायलेट और चेंजिंग रूम की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों और गंगा तटों पर 24 घंटे सफाई व्यवस्था की जाए। हरकी पैड़ी में श्रद्धालुओं के लिए आरती और बैठने की समुचित

अल्मोड़ा में मां नंदा-सुनंदा की डोले की शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अल्मोड़ा। मां नंदा-सुनंदा के डोले की भव्य शोभायात्रा बुधवार को नगर में धूमधाम से निकाली गई। मां नंदा-सुनंदा को विदाई देने के लिए नगरवासियों के साथ ही दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दो दिनों से हो रही बारिश के बाद बुधवार को आसमान में हल्के बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई, जिससे मेले में रौनक लौट आई। जिलाधिकारी द्वारा घोषित अवकाश के चलते बाजारों में सुबह से ही भीड़ जुटने लगी। मेले में पहुंचे बाहर के व्यापारियों के चेहरे, जो बारिश की वजह से पिछले दिनों मायूस थे, भीड़ देखकर खिल उठे। नगर की गलियों, बाजारों और घरों की छतों व बालकनियों से लोगों ने मां नंदा-सुनंदा के डोले के दर्शन किए। जगह-जगह महिलाओं ने पुष्प वर्षा और अक्षत अर्पित कर देवी को भावभीनी विदाई दी, वहीं भक्तों के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा से पहले मंदिर परिसर में मां नंदा-सुनंदा की आरती हुई। अपराह्न में शंखध्वनि के साथ डोले की यात्रा प्रारंभ हुई, जो मंदिर से निकलकर बसंल गली, शिखर तिराहा, माल रोड, लोहा शेर, कचहरी बाजार, थाना बाजार, पलटन बाजार, सिद्धनौला होते हुए कैंट और दुगालखोला तक पहुंची। इस दौरान रास्ते भर दर्शन करने वालों की भीड़ उमड़ी रही। दुगालखोला स्थित भगवती मंदिर, जिसे मां नंदा-सुनंदा का मायका माना जाता है, पहुंचने के बाद देर शाम विधि-विधान से दुगालखोला नौले में मां नंदा-सुनंदा की मूर्तियों का विसर्जन किया गया। पूरे दिन नगर में उत्सव का माहौल बना रहा और भक्तिमय वातावरण में मां नंदा-सुनंदा की विदाई संपन्न हुई। मेले के दौरान पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मेले में व्यवस्था बनाने को जगह जगह पर पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस दौरान ट्रैफिक भी डाइवर्ट किया गया था।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

मंत्री गणेश जोशी ने किया सैनिक विश्राम गृह के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून के कालिदास मार्ग स्थित राज्य स्तरीय सैनिक विश्राम गृह के जीर्णोद्धार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सैनिक विश्राम गृह सैनिकों और उनके परिजनों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा स्थल है, इसलिए यहां बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को विशेष रूप से स्वच्छता, सुरक्षा और आवासीय सुविधाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में अब तक 35 सैनिक विश्राम गृह बनाए

गए हैं। उन्होंने कहा कि जिन सैनिक विश्राम गृहों की स्थिति ठीक नहीं है, उनका सुधारीकरण एवं उच्चीकरण कार्य सरकार प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सैनिक विश्राम गृह सैनिकों और उनके परिजनों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा स्थल हैं, इसलिए यहां आधुनिक सुविधाओं एवं बेहतर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार के उपरांत यह विश्राम गृह सैनिकों और पूर्व सैनिकों के लिए अधिक उपयोगी और सुगम बनेगा। इस अवसर पर निदेशक ब्रिगेडियर (सेनि) अमृतलाल, उपनिदेशक विंग कमांडर(सेनि) निधि बधानी, पार्षद भूपेन्द्र कठैत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया

पिथौरागढ़। डीएम मनीष मनीष कुमार ने खेतखेड़ा और गैड़ाखाली में शारदा नदी से हो रहे भू-कटाव क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से वार्ता कर समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। बुधवार को डीएम मनीष कुमार ने खेतखेड़ा और गैड़ाखाली गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उन्होंने एसडीएम आकाश जोशी को नदी का चैनलाइजेशन कर जल प्रवाह को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। जिससे भू कटाव पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने किसी भी प्रकार की संभावित क्षति को रोकने को तत्काल प्रभाव से सुरक्षा कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक कार्य योजना बनाकर स्थाई समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने जल भराव से हुई क्षति का आंकलन कर प्रभावितों को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

विचलित ट्रंप

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

ट्रंप दुनिया के ऐसे राष्ट्रपति है जिनका व्यवहार अन्य राष्ट्रो के अध्यक्ष से अलग है। जो कि सकारात्मक न हो कर विवादास्पद रहा है। उनके पिछले कार्यकाल को ही देखें तो उसमें भी यही दिखायी देता है। दुनिया भर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण व्यापार शुल्क को लेकर जो भीषण रार मची है, उसने विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा और मंजिल, दोनों को लेकर कई तरह के विमर्श और संकटों को सामने ला दिया है। ये सारी बातें भविष्य की दुश्वारियों से तो जुड़ी हैं ही, इनसे अतीत के अनुभवों को लेकर भी कई बातें साफ हुई हैं। बात अकेले भारत की करें तो हमारे यहां खास तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर उदारीकरण के दौर में जिस तरह की नीतिगत समझ बननी चाहिए थी, वैसी बनी नहीं। इस कारण लंबे समय तक देश की अर्थव्यस्था की रीढ़ रहा यह क्षेत्र गंभीर उपेक्षाओं का शिकार हुआ। आज जब नौकरी-रोजगार की समस्या पर प्राथमिकता के साथ विचार करने की दरकार फिर से मजबूत हुई है, तो देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी को सुधारने की बात नये सिरे से रेखांकित हो रही है। गौरतलब है कि 2०11 की जनगणना के मुताबिक, भारत की 68.85 फीसद आबादी ग्रामीण अंचल में रहती है।

शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित

जतिन शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं विचारक भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन, वर्ष 1888 में तमिलनाडू में 5 सितंबर को उनका जन्म हुआ था। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ही यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा के माध्यम से समाज में मूल्यों, संस्कारों और ज्ञान का आलोक फैलाया। उनका जीवन दर्शन हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देशभर के समर्पित शिक्षकों को भी शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण के सशक्त स्तंभ हैं और आने वाली पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ज्वालापुर में प्राचीन शिव मंदिर से मूर्तियां और नगदी चोरी

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में चोरों ने सोमवार देर रात एक प्राचीन शिव मंदिर को निशाना बना डाला। चोरों ने मूर्तियाँ, पूजा सामग्री और नगदी चोरी कर श्रद्धालुओं की आस्था पर गहरी चोट पहुंचाई। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों में आक्रोश उमड़ पड़ा।

रानीपुर विधानसभा में 47.56 करोड़ की कुम्भ निधि और राज्य योजना से स्वीकृत हुए विकास कार्य

जतिन शर्मा

हरिद्वार। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने पत्राचार और निजी प्रयासों से राज्य सरकार से रानीपुर विधानसभा क्षेत्र में कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृति के लिए कहा था। प्रशासन ने हरिद्वार जिले की बी.एच.ई.एल रानीपुर विधानसभा में राज्य योजना के अन्तर्गत सड़क निर्माण के तीन कार्यों के लिए 225.35 लाख रुपये की वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिसका जीओ जारी कर दिया गया है। सरकार ने सड़क निर्माण के लिए 3` रुपये की टोकन राशि भी जारी कर दी है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान के प्रस्ताव पर राज्य योजना से विधानसभा के अंतर्गत 54.12 लाख रुपए की लागत से सीतापुर रेलवे फाटक से गणेश विहार तक .75 किमी मार्ग का बी सी तथा नाली निर्माण द्वारा सुधारीकरण कार्य, 45.79 लाख रुपए लागत से भेल सेक्टर 3 वाले तिराहे से पीएसी गेट होते हुए बैरियर नंबर 8 सुभाष नगर तक 1.14 किमी मोटर मार्ग सुधारीकरण कार्य एवं 125.44 लाख रुपए लागत से महादेवपुरम की 1.11 किमी आंतरिक सड़कों का इंटरलॉकिंग टाइल्स द्वारा निर्माण कार्य किया जाना है। योजना के अन्तर्गत कुल लगभग 3 किमी सड़क नाली निर्माण किया जाना है। इन तीनों निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया है। उक्त सड़को की टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर जल्द ही निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इससे पूर्व रानीपुर विधायक के प्रस्ताव पर कुंभ निधि से भी लगभग 45.31 करोड़ रूपए के 4 स्थाई निर्माण कार्यों की स्वीकृति हो चुकी है। जिससे रानीपुर विधानसभा की बड़ी आबादी लाभान्वित होगी। जिसमें 12.56 करोड रुपए की लागत से बहादराबाद सिडकुल फोरलेन मार्ग भाई चारा ढाबा से बैरियर नंबर 6 होते हुए शिवालिक नगर चौक बीएचईएल मध्य मार्ग तक का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, 9.5 करोड़ रुपए लागत से सुभाष नगर पीएसी होते हुए शिवालिक नगर मार्ग पर रानीपुर रोह नदी पर आरसीसी सेतु का नव निर्माण कार्य,6.59 करोड़ की लागत से धनौरी-सिडकुल लिंक मार्ग की मरम्मत का कार्य एवं 16.66 करोड रुपए लागत से धनौरी-सिडकुल लिंक मार्ग पर पथरी रौ नदी के पुरानी गंग नहर पर स्पान पुल का निर्माण कार्य शामिल है। इसमें कुछ कार्यो की निविदा भी आमंत्रित की जा चुकी है। सरकार द्वारा विकास कार्यो की स्वीकृति पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रदेश के लिए विकासपरक सोच से ही विकास कार्य धरातल पर तेजी से आ रहे हैं। क्षेत्र का विकास सरकार की प्राथमिकता है सरकार की विभिन्न योजनाओं से पूरे विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य प्रगति पर हैंभाजपा शासन काल में रानीपुर विधानसभा में विकास की नई गाथा लिखी है । उक्त कार्यो की टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर समयबद्ध पूरा कर दिया जाएगा।

जसपुर में ब्लॉक प्रमुख समेत बीडीसी मेंबरों ने ली शपथ

काशीपुर। ब्लॉक प्रमुख समेत 4०बीडीसी सदस्यों को एसडीएम ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अब गुरुवार को परिचय बैठक होगी। बुधवार को मंडी समिति परिसर में ब्लॉक प्रमुख अनूप कौर, ज्येष्ठ उप प्रमुख प्रगट सिंह, कनिष्ठ उप प्रमुख विमल कुमार को एसडीएम चतर सिंह चौहान ने शपथ दिलाई। इसके बाद 37 बीडीसी सदस्यों को भी एसडीएम ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। ब्लॉक प्रमुख अनूप कौर ने सभी के सहयोग से विकास कार्य कराने का भरोसा दिडुलाया। पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल, एससी आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार ने प्रमुख, ज्येष्ठ व कनिष्ठ उप ब्लॉक प्रमुख को शॉल भेंटकर सम्मान किया। उन्होंने सभी से मिलजुलकर विकास करने की अपील की। उन्होंने क्षेत्र के विकास में बिना भेदभाव के काम करने का भरोसा दिलाया। यहां प्रभारी बीडीओ राजेश यादव, चन्द्रशेखर जोशी, चरनजीत सिंह, रवि डोगरा, राम मेहरोत्रा, तीरथ सिंह, कश्मीर सिंह, जुम्मा खां, खड़क सिंह, मनपीत लाडी, राजकुमार, विमल ,तरूण पधान, मो. हसन, सिद्वार्थ सिंघल, सनी पधान, रोबी पधान, सरफराज हुसैन आदि रहे। किसान यूनियन, निर्दलीय, कांग्रेस के बीडीसी सदस्यों ने नहीं किया स्वागत = शपथ से पहले बीडीसी सदस्यों से मंच पर बैठे अतिथियों का स्वागत कराया गया, लेकिन किसान यूनियन, निर्दलीय और कांग्रेस के बीडीसी सदस्यों ने भाजपा के पदाधिकारी का स्वागत नहीं किया।

देहरादून के विनय कुमार के साथ 32.3०लाख की साइबर ठगी

देहरादून। राजधानी देहरादून में एक और बड़ा साइबर ठगी का मामला सामने आया है। मोती बाजार निवासी विनय कुमार से अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कॉल कर एफाजोन क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट कम्पनी के नाम पर करीब ?32,3०,०००की रकम ठग ली गई। इस घटना की शिकायत विनय कुमार ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, देहरादून में दर्ज कराई है। विनय ने बताया कि वर्ष 2०24 में एक महिला स्टेला ने अमेरिका के नंबर से कॉल कर उन्हें एक क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। स्कीम के अंतर्गत दावा किया गया कि हर माह एक निश्चित धनराशि उनके खाते में आएगी। इसके बाद फ्रेंक नामक व्यक्ति, जो कथित रूप से कंपनी का जनरल मैनेजर था, ने संपर्क कर योजना की पुष्टि की। साथ ही राजेश सिंह और संजय कुमार दो अन्य व्यक्तियों नेव्हाट्सऐप के जरिए कंपनी के बारे में जानकारी साझा की और निवेश के लिए भरोसा दिलाया। विनय ने विश्वास में आकर 13 अप्रैल 2०24 से लेकर 16 अप्रैल 2०25 तक अलग-अलग माध्यमों (आईएमपीएस, एनईएफटी, गूगल पे) से ?32,3०,०००रुपए विभिन्न खातों में जमा कराए। शुरुआत में एक माह तक कुछ धनराशि विनय के खाते में आई, जिससे उन्हें कंपनी पर विश्वास हो गया, लेकिन बाद में कोई रकम वापस नहीं मिली।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

क्या कोई राहुल को 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता है?

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इन दिनों मूर्तिभंजन में लगे हैं। वे प्रतिमाओं के सिंदूर खरोंच रहे हैं। वे इस संकल्प और रणनीति के साथ काम कर रहे हैं कि अगर हम चुनाव नहीं जीत सकते हैं तो चुनाव की पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हम किसी मुकदमे में फंसे हैं तो जांच की पूरी प्रक्रिया और हर जांच एजेंसी को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हमारी खबरों को प्रमुखता से जगह नहीं मिलती है तो मीडिया की साख को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर कारोबारी हमें चंदा नहीं देते हैं या कम देते हैं तो सभी कारोबारियों को क्रोनी कैपिटलिस्ट साबित कर दिया जाए। अगर अधिकारी हमें सलामी नहीं देते हैं तो पूरी नौकरशाही को भ्रष्ट और सरकार का पिछलग्गू बता दिया जाए। अगर न्यायपालिका से मनमाफिक फैसला नहीं आता है तो उसे सरकार के लिए प्रतिबद्ध बता दिया जाए। इस तरह वे हर संस्था को तहस नहस करने की दिशा में बढ़ गए हैं। ऐसी अराजक राजनीति कुछ समय पहले आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने शुरू की थी। हालांकि मुख्यमंत्री रहने और दो राज्यों में सरकार बनाने के बाद उनकी राजनीति में ठहराव आ गया है। अब राहुल गांधी ने केजरीवाल की राजनीतिक किताब का एक पन्ना खोल कर उसे पढ़ना शुरू किया है। हालांकि दोनों में फर्क यह है कि केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक पार्टी 2012 में बनाई, जबकि राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है और सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही है। सत्ता भी सबसे लंबे समय तक राहुल गांधी के परनाना, उनकी दादी और उनके पिता के हाथ में रही है। परोक्ष रूप से 10 साल तक शासन उनकी मां और उनके हाथ में भी रहा है। कांग्रेस ने अपने लंबे शासन में संस्थाओं को जो रूप दिया और जिस तरह से संस्थाओं का इस्तेमाल किया आज भी संस्थाएं उसी तरह से काम कर रही हैं। कह सकते हैं कि उसके मुकाबले गिरावट ज्यादा आ गई है। तब भी यह सिर्फ डिग्री का ही फर्क है। सोचें, राहुल गांधी चुनाव की पूरी प्रणाली को मर चुका बता रहे हैं। कांग्रेस को इस बात पर आपत्ति है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटा कर सरकार के एक कैबिनेट मंत्री को रखा गया। लेकिन कांग्रेस के लंबे शासनकाल में तो सीधे सरकार ही चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करती थी! राहुल गांधी के सक्रिय राजनीति में आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से रिटायर हुए एमएस गिल को मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री बनाया था। राहुल के सक्रिय राजनीति में आने के बाद परिवार के प्रति निष्ठावान नवीन चावला को चुनाव आयुक्त बनाया गया था। इतना ही नहीं उन पर विवाद होने के बावजूद उनको मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया। लेकिन अब राहुल इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि चुनाव आयुक्त को प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री की सदस्यता वाली कमेटी क्यों चुनती है? क्या वे चाहते हैं कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति विपक्ष को करने दिया जाए? इसी तरह राहुल गांधी जब चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाते हैं तो क्या कोई उनको 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता है? कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को चुनाव जिताने के लिए उस समय क्या किया गया था, यह इतिहास में दर्ज है। वैसी धांधली, वैसा जुल्म, वैसी वोट की चोरी आजाद भारत के इतिहास में तो नहीं देखी गई है। कांग्रेस चुनाव तो जीत गई, लेकिन चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर के लोगों का दिल्ली के शासन से ऐसा मोहभंग हुआ कि लोग आजादी चाहने लगे, जिससे पाकिस्तान को मौका मिला और पूरा प्रदेश आतंकवाद व छद्म युद्ध की चपेट में आ गया। उस वोट के लूट की जिम्मेदार राजीव गांधी की केंद्र सरकार थी। ऐसी अनेक और भी मिसालें दी जा सकती हैं। सबको यहां लिखने की जरुरत नहीं है। ऐसे ही वे न्यायपालिका से लेकर जांच एजेंसियों और मीडिया से लेकर कॉरपोरेट तक को कठघरे में खड़ा करते हैं। वे कांग्रेस का इतिहास भूल जाते हैं या उनको जानकारी ही नहीं है कि मौजूदा सिस्टम कांग्रेस का ही बनाया हुआ है। अभी तो कम से न्यायपालिका में वरिष्ठता के आधार पर नियुक्ति हो रही है। इंदिरा गांधी ने तो वरिष्ठता के नियम को ही बदल दिया था। उन्होंने 1973 में जस्टिस एमएन शेलत, जस्टिस एएन ग्रोवर और जस्टिस केएस हेगड़े की वरिष्ठता को दरकिनार करके चौथे नंबर के जज जस्टिस अजित नाथ रे को चीफ जस्टिस बनाया था और चार साल बाद 1977 में जस्टिस हंसराज खन्ना की वरिष्ठता को दरकिनार करके जस्टिस हमीदुल्ला बेग को चीफ जस्टिस बनाया था। गौरतलब है कि जस्टिस हंसराज खन्ना ने इमरजेंसी में मौलिक अधिकार निलंबित करने के इंदिरा गांधी सरकार के फैसले की आलोचना की थी और उसके खिलाफ अपना निर्णय दिया था। ध्यान रहे जजों के रिटायर होने के बाद उनको मलाईदार पदों पर बैठाने का चलन भी कांग्रेस ने ही शुरू किया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष कोई रिटायर चीफ जस्टिस ही होगा यह नियम कांग्रेस की सरकार ने बनाया और सबसे पहले जस्टिस रंगनाथ मिश्र उस पद पर बैठे। कारोबारियों का मामला भी कुछ अलग नहीं है। राहुल गांधी आरोप लगाते हैं कि देश की सारी संपत्ति चार पांच लोगों के हाथ में सौंप दी गई है। यह चलन भी कांग्रेस का ही शुरू किया हुआ है। आजादी के बाद सोवियत मॉडल पर कंपनियों को लाइसेंस बांटे जाते थे। राहुल गांधी के दादा फिरोज गांधी ने इसमें गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। हालांकि तब कोई जांच नहीं हो सकी लेकिन उनके निधन के कई साल बाद 1967 में इसकी जांच के लिए आरके हजारी के नेतृत्व में हजारी कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने इंडस्ट्री डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट 1951 के तहत दिए गए लाइसेंसों की समीक्षा की थी। बाद में इस कमेटी की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई के लिए सुबिमल दत्ता की कमेटी बनी थी। इन दोनों की रिपोर्ट में कहा गया कि लाइसेंसिग नीति में भ्रष्टाचार है और चुनिंदा कंपनियों को मदद की जा रही है। यहां तक रिपोर्ट आई कि आजादी के बाद जितने लाइसेंस बांटे गए थे उनमें से 60 फीसदी से ज्यादा लाइसेंस सिर्फ एक कंपनी, बिड़ला समूह को दिए गए थे। जहां तक केंद्रीय एजेंसियों का सवाल है तो कांग्रेस के शासन में ईडी ने 65 फीसदी मुकदमे विपक्षी पार्टियों के नेताओं और उनके करीबियों पर किए थे और अब 95 फीसदी मामले ऐसे हो रहे हैं। तो यहां भी फर्क सिर्फ डिग्री का है, पैमाने का है। पहले भी एजेंसियां सरकार में बैठे लोगों के विरोधियों को परेशान करने के लिए काम करती थीं और आज भी करती हैं। राज्यों में जहां जिस विपक्षी पार्टी की सरकार है वहां वह दूसरी पार्टियों के खिलाफ राज्य की एजेंसियों का ऐसे ही इस्तेमाल कर रही हैं। इसी तरह जब तक कांग्रेस पार्टी ताकतवर रही मीडिया उसकी चरणवंदना करता रहा और जब कमजोर हुई तो उस पर टूट पड़ा। आज भाजपा ताकतवर है तो मीडिया उसके चरणचुंबन कर रहा है। इसलिए ऐसा नहीं है कि पिछले 10 साल में सब कुछ पूरी तरह से बदल गया है या बिल्कुल नई कार्य संस्कृति आ गई है। कार्य संस्कृति पुरानी ही है फर्क सिर्फ इतना है कि उसकी डिग्री बढ़ा दी गई है। कांग्रेस ने सत्ता की हनक और सत्ता के इस्तेमाल का एक तरीका विकसित किया, आज भाजपा की सरकार उसी तरीके से काम कर रही है। कह सकते हैं कि कांग्रेस सत्ता का, एजेंसियों का, संस्थाओं का इतना दुरुपयोग नहीं करती थी। ठीक है, थोड़ा कम दुरुपयोग करती थी। लेकिन सदुपयोग तो बिल्कुल ही नहीं करती थी। फिर उसे क्यों भाजपा के दुरुपयोग पर इतनी आपत्ति है? पहले भी सत्ता का दुरुपयोग होता था और आज भी हो रहा है। पहले भी जनता ऐसे ही भगवान भरोसे थी और आज भी है। असल में राहुल गांधी यह नहीं चाहते हैं कि सत्ता का दुरुपयोग रूके, बल्कि वे सत्ता बदल कर अपने हाथ में लेना चाहते हैं। उनको ध्यान रखना चाहिए कि सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक लड़ाई लड़नी होगी। संस्थाओं की साख बिगाड़ने और हर प्रतिमा से सिंदूर खरोंचने से सत्ता नहीं मिलेगी। यह नहीं हो सकता है कि वे चुनाव आयोग की साख बिगाड़ देंगे तो उनको सत्ता मिल जाएगी। सत्ता के लिए उनको जनता के बीच जाकर लड़ना होगा, जिसमें वे अब तक बेहद कमजोर साबित हुए हैं।

अपनी लक्जरी ब्रांड वाली सैंडल की ऐसे करें देखभाल

महिलाओं को महंगे और लक्जरी ब्रांड वाली सैंडल खरीदने का शौक होता है। ये सैंडल डिजाइनर होती हैं, जिन्हें उच्च गुणवत्ता वाले सामान का इस्तेमाल करके तैयार किया जाता है। इनकी कीमत लाखों में होती है, जिस कारण इन्हें अच्छी तरह से रखना और इनकी सही देखभाल करना जरूरी हो जाता है। आज के फैशन टिप्स में हम आपको लक्जरी ब्रांड वाली सैंडल की देखभाल करने के तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से वे नए जैसी बनी रहेंगी।

अच्छी तरह साफ करें

जाहिर सी बात है कि जब आप सैंडल पहनेंगी तो उनमें धूल-मिट्टी और गंदगी तो लगेगी ही। ऐसे में आपको उन्हें रखने से पहले अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिए। नियमित रूप से उन्हें साफ करने से वे लंबे समय तक चलेंगी और नई नजर आएंगी। इसके लिए एक साफ और मुलायम कॉटन के कपड़े से सैंडल को रगड़ें। आप कपड़े पर सैंडल और जूते साफ करने वाली क्रीम या अन्य पदार्थ भी लगा सकती हैं।

समय-समय पर ठीक करवाती रहें

कई बार ऐसा होता है की सैंडल का निचला हिस्सा या हील घिसने के कारण कमजोर हो जाती हैं। इससे उनके टूटने या खराब होने का खतरा रहता है। यह ज्यादातर उन सैंडल के साथ होता है, जिन्हें ज्यादा पहना जाता है। अगर आपको ऐसा लगे कि आपकी सैंडल खराब हो रही हैं तो तुरंत पेशेवर के पास जा कर उन्हें ठीक करवा लें। इससे उनका जीवन बढ़ जाएगा, यानि कि वे लंबे समय तक इस्तेमाल करने लायक रहेंगी।

ठीक तरह से रखें

सैंडल को नए जैसा बनाए रखने के लिए उन्हें सही तरह से स्टोर करना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आप किसी भी स्थान पर अपनी लक्जरी सैंडल को बिना सोचे समझे रख देती हैं तो वे जल्दी खराब हो जाएंगी। उन्हें किसी अलमारी में व्यवस्थित तरीके से रखें, जो अच्छी तरह साफ की गई हो। ध्यान रखें कि अलमारी में ज्यादा नमी न हो और समय-समय पर उसे खोल भी दें, ताकि हवा उसमें प्रवेश करती रहे।

बदल-बदलकर पहनें

लक्जरी सैंडल अन्य सैंडल की तुलना में ज्यादा महंगी होती हैं। ऐसे में आपको उन्हें रोजाना नहीं पहनना चाहिए। इससे उनके टूटने या खराब होने का खतरा रहता है। उन्हें केवल खास मौकों और पार्टी आदि में ही पहनें और अन्य दिनों के लिए सस्ती और टिकाऊ सैंडल चुनें। अगर आपके पास कई लक्जरी सैंडल हैं तो उन्हें बदल-बदलकर पहनें, ताकि कोई एक सैंडल ही ज्यादा इस्तेमाल न हो। इससे उन्हें अच्छी गुणवत्ता में रखना संभव हो सकेगा।

याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ये 5 जड़ी-बूटिया

याददाश्त को बढ़ाने के लिए कई उपाय मौजूद हैं, लेकिन प्राकृतिक उपाय सबसे सुरक्षित और असरदार होते हैं। कुछ जड़ी-बूटियां विशेष रूप से याददाश्त को मजबूत करने में मदद कर सकती हैं। इन जड़ी-बूटियों में गोटू कोला, लेमन बाम, जिनसेंग, गिंको बिलोबा और अश्वगंधा शामिल हैं। ये सभी जड़ी-बूटियां न केवल याददाश्त को बढ़ाने में मदद करती हैं, बल्कि मानसिक सेहत को भी सुधारती हैं। आइए इनके फायदे जानते हैं।

गोटू कोला

गोटू कोला एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जो दिमाग के कामकाज को सुधारने में मदद कर सकती है। यह जड़ी-बूटी विशेष तत्वों से भरपूर होती है, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों से लड़ती है। इसके अलावा यह खून के प्रवाह को बेहतर बनाकर दिमाग तक ऑक्सीजन पहुंचाती है, जिससे याददाश्त बढ़ती है। गोटू कोला का सेवन करने से मानसिक थकान भी दूर होती है और दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

लेमन बाम

लेमन बाम एक सुगंधित जड़ी-बूटी है, जिसका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में लंबे समय से किया जा रहा है। यह जड़ी-बूटी तनाव और चिंता को कम करने में मदद करती है, जिससे दिमाग को आराम मिलता है और याददाश्त बेहतर होती है। लेमन बाम का सेवन करने से नींद भी अच्छी आती है, जिससे मानसिक थकान दूर होती है और याददाश्त मजबूत होती है। इसके अलावा यह जड़ी-बूटी पाचन क्रिया को भी सुधारती है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर अध्यापकों का सम्मान समारोह :डा. प्रेमचंद अग्रवाल

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर विधानसभा ऋषिकेश के अध्यापकों को सम्मानित किया। इस दौरान शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी गईं। बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में डा. अग्रवाल ने विभागाध्यक्ष जंतु विज्ञान राजकीय महाविद्यालय प्रो. डीएम त्रिपाठी, प्रधानाचार्य गंगोत्री विद्या निकेतन निधि बड़थ्वाल, प्रधानाचार्य शिवालिक इंटर कॉलेज दीपक भारद्वाज, प्रवक्ता दून घाटी इंटर कॉलेज अंजू पंवार, प्रवक्ता पीएसके रविन्द्र बहुगुणा, प्रवक्ता सरस्वती

विद्या मंदिर आवास विकास राम गोपाल रतूड़ी को शॉल, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डा. अग्रवाल ने पूर्व राष्ट्रपति, शिक्षाविद् एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए कहा कि शिक्षक सही मायने में राष्ट्र निर्माता हैं। विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर उन्हें योग्य नागरिक बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान तो देते ही है समाज को नई दिशा में भी उनकी बडी भूमिका होती है। डा. अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के विकास के लिये संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में भी शिक्षकों की महत्वपूर्ण सहभागिता रहती है। कहा कि वही देश और समाज आगे बढते हैं जहां गुरुजनों का सम्मान होता है। हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान की महान भारतीय परम्परा को और अधिक मजबूत बनाना है। डा. अग्रवाल ने इस अवसर पर विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भारतीय परम्परा का पालन करते हुए श्रेष्ठ नागरिक बनकर देश व प्रदेश के विकास में सहभागी बनें। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ऋषिकेश मनोज ध्यानी, मंडल अध्यक्ष वीरभद्र सुरेंद्र सिंह सुमन, महामंत्री दीपक बिष्ट, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुमित पंवार, पार्षद राजेश कुमार, राजेंद्र बिजलवान, विपिन पंत, राम सिंह पंवार, सोनू पांडे, राकेश परचा, सुयश मिश्रा, अनिल भगवाधारी, नरेंद्र राणा, विनायक कुमार, पवन गोयल, मनोरमा देवी, सुधा असवाल, पूर्णिमा तायल, अभिषेक रावत आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री पुनीता भंडारी द्वारा किया गया।

शिक्षा में पीजीआई रैंकिंग सुधार को उच्च स्तरीय समिति गठित

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा में प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई) रैंकिंग सुधार को राज्य स्तर पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि ये समिति रैंकिंग के लिये निर्धारित सूचकांकों में सुधार को ठोस कार्य योजना तैयार करने के साथ ही उनका मूल्यांकन भी करेगी। ब्लॉक स्तर पर यू-डायस की मॉनिटिरिंग को खण्ड शिक्षा अधिकारियों को नोडल बनाया गया है। जो हर सप्ताह यू-डायस की समीक्षा कर आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करेंगे। ताकि राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग हासिल की जा सके। शिक्षा मंत्री ने बताया कि पीजीआई रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड को शीर्ष राज्यों की श्रेणी में शामिल करने को विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। यह समिति पीजीआई रैंकिंग में सुधार को अपने-अपने सुझाव देगी। ताकि उन सुझावों को प्रदेश भर में लागू किया जा सके। समिति से प्राप्त सुझावों को मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सभी जनपदों में लागू कराया जायेगा। राष्ट्रीय स्तर पर पीजीआई रैंकिंग को मुख्य रूप से छह डोमिन बनाये गए हैं। दक्ष कर्मियों की कमी का पड़ रहा है असर इस मामले में विभागीय अधिकारियों का तर्क है कि दक्ष कार्मिकों के अभाव में जिलों से यू-डाइस पर प्राप्त सूचनाओं में कमी रह जाती है। इसका प्रभाव सीधे-सीधे पीजीआई रैंकिंग पर पड़ता है। इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ब्लॉक स्तर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी को यू-डाइस का नोडल नामित किया गया है। संबंधित बीईओ अपने-अपने क्षेत्र में आने वाले सभी विद्यालयों, शिक्षकों व छात्र-छात्राओं से संबंधित सही आंकड़े यू-डाइस पर दर्ज करायेंगे। ताकि राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की पीजीआई रैंकिंग में उत्साहजनक सुधार लाया जा सके।

देसंविवि व गायत्री विद्यापीठ में शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

जतिन शर्मा

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय एवं गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज में दिनांक 5 सितंबर को भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में अत्यंत श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। देसंविवि के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपने संदेश में प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि सच्चा शिक्षक वह है जो स्वयं निरंतर सीखता रहे और अपने ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रेरित करता रहे। शिक्षक समाज को दिशा

देने वाला दीपस्तंभ होता है। वहीं अतिथियों ने डॉ राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित रूप से सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अपने संदेश में कुलाधिपति श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा को केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि समाज निर्माण का आधार बताया। हमें शिक्षा को मूल्यों के साथ जोडक़र एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करना है। वहीं गायत्री विद्यापीठ में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से डॉ. राधाकृष्णन को भावांजलि अर्पित की। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों ने शिक्षा और गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान व्यवस्था मंडल प्रमुख श्रीमती शैफाली पण्ड्या ने कहा कि पाठ्यक्रम के साथ-साथ उत्तम साहित्य का अध्ययन विद्यार्थियों को आत्मिक रूप से समृद्ध करता है। शिक्षा का उद्देश्य परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के साथ-साथ संस्कार और विवेक का निर्माण है।

आयुष्मानः एसएचए स्तर की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण के निर्देश

देहरादून। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण उत्तराखंड के सभागार में आयोजित बैठक में प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों व आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पतालों के प्रतिनिधियों की बैठक में पोर्टल पर चिकित्सकीय दरों में विसंगति, निरस्त व एरोनियस चिकित्सा दावे, लंबित देयकों के भुगतान व अन्य मसलों पर चर्चा गई। प्राधिकरण स्तर की समस्याओं के निस्तारण को मौके पर ही निर्देशित किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्राधिकरण के अध्यक्ष अरविन्द सिंह ह्यांकी व मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीना जोशी ने प्राधिकरण स्तर की समस्याओं को मौके पर ही निस्तारित करने के लिए सभी अनुभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने लाभार्थी हितों को प्राथमिकता में रखते हुए अस्पतालों से आपसी समन्वय बनाने व सहयोग की भावना से कार्य करने व आयुष्मान व एसजीएचएस लाभार्थियों को बेड की उपलब्धता पर बगैर किसी रूकावट के दाखिला देने को कहा। इस पर अस्पतालों ने सहमति जताई। प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ह्यांकी ने कहा कि प्राधिकरण स्तर पर जो भी दिक्कते हैं उन्हें त्वरित कार्रवाई करते हुए निस्तारित किया जाएगा। जो दिक्कतें एनएचए स्तर की हैं उसके लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने सभी अस्पतालों से अपनी कार्य प्रणाली को और व्यवस्थित व समयबद्ध करने को कहा। कहा कि लापरवाही किसी भी स्तर पर हो व्यवधान पूरी प्रक्रिया में आ जाता है। सभी अपडेट रहें। कहा कि आयुष्मान में यथा समय भुगतान हो रहा है, राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत भुगतान में कुछ विलंब हो सकता है तो इसमें सभी से सहयोग की अपेक्षा की जाती हैं। आईटी से संबंधित दिक्कतों को दुरस्त किया जा रहा है। फ्राड मामलों में रिव्यू की कोई व्यवस्था नहीं है। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीना जोशी ने कहा कि आयुष्मान योजना जन-कल्याण से जुड़ी है, अस्पतालों से एसजीएचएस लाभार्थियों को बेड कम करने या बेड न देने की शिकायतें आ रही हैं ऐसा उचित नहीं हैं। जानबूझ कर यदि लाभार्थी को परेशान करने की शिकायतें आती हैं तो ऐसे संस्थानों पर प्राधिकरण कार्रवाई करेगा। कहा कि योजना की बेहतरी के लिए तनमयता के साथ कार्य करें और एसएचए से चिकित्सा दावों के भुगतान कराने अन्य किसी जानकारी को लेकर कोई भ्रमित करने का प्रयास करता है तो उससे सतर्क रहें। सभी प्रतिनिधियों ने लाभार्थी हित में पूर्ण सहयोग की बात पर सहमति जताई। बैठक में महंत इंद्रेश, स्वामीराम हिमालयन हॉस्पिटल, कनिष्क, ग्राफिक एरा आदि अस्पतालों के प्रतिनिधि व प्राधिकरण के निदेशक वित्त अभिषेक आनन्द, निदेशक प्रशासन डा डीपी जोशी, अपर निदेशक निखिल त्यागी आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com